nt>

12.17 hrs.

RE : QUESTION OF PRIVILEGE

...(Interruptions)

Title: Notices of privilege given by Shri P.C. Thomas, Shri Sushil Kumar Modi, Prof. Vijay Kumar Malhotra and Shri Prabhunath Singh against Minister of Railways for allegedly misleading the House regarding corruption changes levelled by the latter against other Minister.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : मेरा विशेाधिकार का एक मामला है, जिसका मैंने नोटिस दिया है। मैंने आपके सामने प्रिविलेज का सवाल रखा है। एक नोटिस मैंने 22 नवम्बर को भेजा था और एक आज भेजा है। अन्य सदस्यों ने भी भेजा है।

MR. SPEAKER: I will consider it.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : मैंने विशेाधिकार हनन का एक नोटिस लालू प्रसाद जी के खिलाफ दिया है। उन्होंने जिस तरह से हाउस में कहा कि मैंने कोई आरोप नहीं लगाया और पासवान जी ने कहा कि मैंने बाहर कोई आरोप नहीं लगाया।

अध्यक्ष महोदय : मुझे कंसीडर करने दीजिए।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : आप कृपया मेरी बात सुन लें। मैं एक-दो मिनट में एक्सप्लेन कर रहा हूं। इस बात को सारे हिन्दुस्तान ने देखा है।

MR. SPEAKER: May I make an observation? आपके लिए बोल रहा हूं।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : मुझे कहने का मौका दें, मैं एक-दो मिनट लूंगा।â€¦ (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : ये लोग मुद्दाविहीन हो गए हैं इसलिए ऐसी बातें सदन में कर रहे हैं। कभी शंकराचार्य का मामला उठाते हैं और कभी ऐसे मुद्दे उठाते हैं। हम भी उनका मामला उठा सकते हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग एक साथ मत बोलें। आप बैठिए। Let us not be too sensitive. मैं एक साथ सबको मौका नहीं दे सकता।

â€¦ (व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : आप नोटिस दीजिए और शंकराचार्य का मामला उठा सकते हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : जो इश्यू नहीं है आप उसको उठा रहे हैं। वह मामला तो न्यायालय के विचाराधीन है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मल्होत्रा जी मेरे पास नोटिस आया है, यह अंडर कंसिडरेशन है। We are doing exceedingly well since morning. I was having hope that all the assurances that have been given, and are now being remembered, will be kept.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : यहां पर मंत्री महोदय ने इतनी सख्त बात कही, जिसे सारे हिन्दुस्तान के 100 करोड़ लोगों ने देखा। उन्होंने कहा कि मैंने कोई आरोप नहीं लगाया। यह हमारी अवमानना है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is under my consideration.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded. I will delete it.

(Interruptions) *

MR. SPEAKER: Hon. Members, I have received notices of question of privilege dated 9th and 10th of December, 2004 from Sarvashri P.C. Thomas, Sushil Kumar Modi, Vijay Kumar Malhotra, and Prabhunath Singh, Members of Parliament, against Shri Lalu Prasad, Member of Parliament and Minister of Railways, for allegedly having misled the House on 8th of December, 2004 on the issues of his reported differences with Shri Ram Vilas Paswan, Minister of Chemicals and Fertilizers. The matter is under my consideration.

स्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।â€¦ (व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : यह सही नहीं है कि किसी भी दागी आदमी को मंत्री बनाया जाए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह ठीक नहीं है। आप बैठिए।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is under my consideration. How can you raise it now? It will not be allowed. Nothing else will be allowed.

I want to now allow this.

स्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : हमारी भी सुन लीजिए।

अध्यक्ष महोदय : आपको क्या कहना है ?

श्री प्रभुनाथ सिंह : हमने भी एक नोटिस दिया है।

12. Not Recorded
13. PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, our privilege notices are under your consideration. But what about the Prime Minister's coming and replying? ...(*Interruptions*) The Prime Minister has not come here to give a reply. In protest, we are walking out. ...(*Interruptions*)

12.20 hrs.

(At this stage, Prof. Vijay Kumar Malhotra and some other

hon. Members left the House.)

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No comments please.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members have a right to stage a walk-out also.

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI GHULAM NABI AZAD): This shows how much interest they have in the business of the House. ...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सदन के बिजनैस में इनकी कितनी रुचि है, यह सारा देश देख रहा है। अभी माननीय स्वाईं साहब बोल रहे हैं कि 2 बजे से 3 बजे तक क्या करेंगेâ€¦ (व्यवधान) अब तो सारा देश देख रहा है कि संसद के कार्य में इनकी कितनी रुचि है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Then, I will go out and put you here.